चम्पारण ज्ञानाग्रह

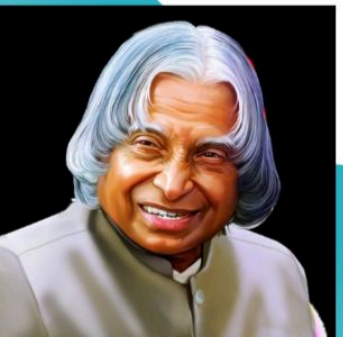
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 27 नवंबर 2026, अंक –403.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"संगति का प्रभाव मनुष्य पर अवश्य पड़ता है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पश्चिमी अफ्रीका के देश बुर्किना फासो की राजधानी क्या है?
उत्तर: औगाडौगू।
प्रश्न 2. महिलाओं को संसदीय चुनावों में मतदान का अधिकार देने वाला विश्व का पहला स्वशासित देश कौन था?
उत्तर: न्यूज़ीलैंड (1893)।
प्रश्न 3. लखनऊ की प्रसिद्ध पारंपरिक कढ़ाई कला क्या कहलाती है?
उत्तर: चिकनकारी।
प्रश्न 4. पंचभुज के सभी आंतरिक कोणों का योग कितना होता है?
उत्तर: 540 डिग्री।
प्रश्न 5. बिहार का पहला विश्वविद्यालय कौन-सा है, जिसकी स्थापना 1 अक्टूबर 1917 को हुई थी?
उत्तर: पटना विश्वविद्यालय।
प्रश्न 6. किस समुद्री जीव में नर अपने शरीर की थैली में अंडों को सुरक्षित रखता है?
उत्तर: समुद्री घोड़ा (सीहॉर्स)।
प्रश्न 7. कागज बनाने की विधि का विकास करने का श्रेय किस चीनी अधिकारी को दिया जाता है?
उत्तर: काई लुन।
प्रश्न 8. भारत में नगरपालिकाओं को संवैधानिक दर्जा किस संविधान संशोधन से मिला?
उत्तर: 74वाँ संशोधन।
प्रश्न 9. 'जिसका कोई शत्रु न हो' उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अजातशत्रु।
प्रश्न 10. रात में तारे टिमटिमाते हुए क्यों दिखाई देते हैं?
उत्तर: वायुमंडलीय अपवर्तन के कारण।

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Metamorphosis - मेटामॉर्फोसिस - कायांतरण
2. Pupa - प्यूपा - कीट का कोष / प्यूपा अवस्था
3. Chrysalis - क्रिसैलिस - तितली का प्यूपा
4. Butterfly - बटरफ्लाई - तितली
5. Moulting - मोल्टिंग - केंचुली बदलना
6. Pollinator - पॉलिनेटर - परागणकर्ता
7. Nectar - नेक्टर - पुष्परस / मकरंद



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "What are they going to + V1?"
(वे क्या ... करने वाले हैं?)
वे मेले में क्या खरीदने वाले हैं? – What are they going to buy at the fair?
वे मंच पर क्या प्रस्तुत करने वाले हैं? – What are they going to present on the stage?
वे इस खाली जगह पर क्या बनाने वाले हैं? – What are they going to build in this empty space?
वे अतिथियों के स्वागत में क्या गाने वाले हैं? – What are they going to sing to welcome the guests?
वे इस वर्ष कौन-सी नई योजना शुरू करने वाले हैं? – What new scheme are they going to launch this year?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 27 नवंबर को भारत में चिकित्सा विज्ञान और 'अंगदान' (Organ Donation) के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा अंगदाताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने हेतु कौन-सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: भारतीय अंगदान दिवस (Indian Organ Donation Day)

व्याख्या: भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) द्वारा प्रतिवर्ष 27 नवंबर को 'भारतीय अंगदान दिवस' मनाया जाता है (यह अभियान 2010 से संचालित है, और वर्तमान में अगस्त के साथ-साथ नवंबर की पारंपरिक तिथि पर भी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाती हैं)। इसका मुख्य उद्देश्य मस्तिष्क मृत्यु (Brain Stem Death) के उपरांत हृदय, यकृत (लिवर), गुर्दे (किडनी), फेफड़े और कॉर्निया जैसे महत्वपूर्ण अंगों के दान के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना है, जिससे एक अंगदाता 8 लोगों को नया जीवन प्रदान कर सकता है।

संदर्भ: National Organ and Tissue Transplant Organisation (NOTTO);

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण और स्थानीय समुदायों की आजीविका को जोड़ने हेतु किस राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत नए रामसर स्थलों और 'आर्द्रभूमि मित्र' अभियान का विस्तार किया गया है? (समसामयिक घटना)

उत्तर: मिशन सहभागिता और अमृत धरोहर योजना (Amrit Dharohar)

व्याख्या: 'अमृत धरोहर' (Amrit Dharohar) और 'मिशन सहभागिता' भारत सरकार की एक प्रमुख पारिस्थितिक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य देश के रामसर स्थलों (अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमियों) के अद्वितीय जैव-विविधता मूल्य, कार्बन भंडारण क्षमता और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत स्थानीय नागरिकों, छात्रों और ग्राम पंचायतों को 'आर्द्रभूमि मित्र' (Wetland Mitras) के रूप में पंजीकृत कर झीलों और दलदली क्षेत्रों (जैसे बिहार की काबर झील और नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य) के स्वच्छ व अतिक्रमण-मुक्त रखरखाव को सुनिश्चित किया जा रहा है।

संदर्भ: Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC) Official Portal; Wetlands of India Portal;

प्र.3. 15वीं शताब्दी के महान संत और निर्गुण भक्ति काव्यधारा के प्रवर्तक कबीरदास की वाणियों (साखी, सबद और रमैनी) का प्रामाणिक संकलन उनके शिष्य धर्मदास द्वारा किस अमर ग्रंथ में किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: बीजक

व्याख्या: 'बीजक' संत कबीरदास की प्रामाणिक काव्य-रचनाओं का मुख्य संग्रह है, जिसका संकलन उनके प्रमुख शिष्य धर्मदास ने 1464 ईस्वी के आसपास किया था। इसके तीन प्रमुख भाग हैं: (1) 'साखी' — दोहा छंद में रचित अनुभवजन्य ज्ञान और नीति के उपदेश; (2) 'सबद' — गेय पदों में व्यक्त आध्यात्मिक प्रेम और साधना; तथा (3) 'रमैनी' — चौपाई व दोहा छंद में रचित दार्शनिक विचार। कबीर ने अपनी 'सधुक्कड़ी' (पंचमेल खिचड़ी) भाषा के माध्यम से तत्कालीन समाज में व्याप्त जातिवाद, धार्मिक आडंबर, अंधविश्वास और बाह्याचार पर निर्भीक प्रहार किया तथा मानवता व भाईचारे का संदेश दिया।

संदर्भ: संत कबीरदास — 'बीजक', लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 9 (क्षितिज भाग-1, पाठ "साखियाँ एवं सबद") व Class 11 (अंतरा भाग-1);

प्र.4. किसी पारितंत्र में वनस्पतियों और जीवों के मध्य होने वाली ऐसी पारस्परिक क्रिया जिसमें एक जीव (परजीवी) दूसरे जीव (परपोषी / Host) के शरीर के भीतर या बाहर रहकर उससे भोजन व आवास प्राप्त करता है और उसे हानि पहुँचाता है (जैसे अमरबेल, जूं या मलेरिया परजीवी प्लाज्मोडियम), क्या कहलाती है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: परजीविता (Parasitism)

व्याख्या: पारिस्थितिकी में 'परजीविता' (Parasitism) दो प्रजातियों के बीच एक ऐसी अंतःक्रिया है, जिसे गणितीय रूप से (+, -) द्वारा दर्शाया जाता है — अर्थात इसमें परजीवी (Parasite) को लाभ होता है और परपोषी (Host) को हानि पहुँचती है। परजीवी दो प्रकार के होते हैं: (1) 'बाह्य परजीवी' (Ectoparasites) — जो परपोषी की बाहरी सतह पर रहते हैं (जैसे मनुष्य के बालों में जूं, कुत्तों पर किलनी, तथा अन्य वृक्षों पर लिपटकर पोषण चूसने वाली पीली बेल 'अमरबेल' / Cuscuta); (2) 'अंतः परजीवी' (Endoparasites) — जो शरीर के अंदर रहते हैं (जैसे यकृत कृमि, फीता कृमि और मलेरिया उत्पन्न करने वाला प्लाज्मोडियम)।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations - Parasitism), p. 235–237;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मध्य प्रदेश के मंडला (रामगढ़) रियासत की किस वीरांगना रानी ने ब्रिटिश हुकूमत द्वारा अपने राज्य पर कोर्ट ऑफ वार्ड्स लागू करने के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह कर ब्रिटिश सेना को पराजित किया था? (इतिहास)

उत्तर: रानी अवंतीबाई लोधी (रामगढ़ की रानी)

व्याख्या: रानी अवंतीबाई लोधी (1831–1858) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में महाकौशल (मध्य प्रदेश) क्षेत्र की एक अद्वितीय वीरांगना और कुशल सेनानायक थीं। उनके पति राजा विक्रमादित्य सिंह के अस्वस्थ होने पर अंग्रेजों ने रामगढ़ रियासत को अपने नियंत्रण में ले लिया था। 1857 में विद्रोह भड़कने पर रानी अवंतीबाई ने आसपास के राजाओं को चूड़ियाँ भेजकर देशरक्षा हेतु ललकारा और स्वयं 4,000 सैनिकों की सेना तैयार कर मंडला पर अधिकार कर लिया। उन्होंने 'खैरी के युद्ध' में ब्रिटिश सेनापति वाडिंग्टन को करारी शिकस्त दी। अंततः जब ब्रिटिश सेना ने देवहारगढ़ के जंगलों में उन्हें चारों ओर से घेर लिया, तो अंग्रेजों के हाथ जीते-जी न आने का संकल्प लेते हुए 20 मार्च 1858 को उन्होंने स्वयं अपनी ही तलवार से वीरगति प्राप्त की।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के तिब्बत स्थित राक्षसताल झील से निकलकर हिमाचल प्रदेश के शिपकी-ला दर्रे से भारत में प्रवेश करने वाली और प्रसिद्ध भाखड़ा-नांगल बांध जिस पर निर्मित है, वह नदी कौन-सी है? (भूगोल)

उत्तर: सतलुज नदी (प्राचीन नाम: शतुद्रि)

व्याख्या: सतलुज नदी (वैदिक नाम: शतुद्रि) सिंधु नदी प्रणाली की सबसे लंबी पूर्वी सहायक नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,450 किलोमीटर है (भारत में लगभग 1,050 किमी)। यह एक 'पूर्ववर्ती नदी' (Antecedent River) है, जिसका उद्गम तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट स्थित 'राक्षसताल झील' से होता है। यह हिमालय पर्वत को काटते हुए हिमाचल प्रदेश के 'शिपकी-ला दर्रे' से भारत में प्रवेश करती है और पंजाब के मैदानों से बहती हुई पाकिस्तान में चिनाब नदी से मिलकर पंचनद का निर्माण करती है। हिमाचल प्रदेश और पंजाब की सीमा पर इस नदी पर देश की विशालतम बहुउद्देशीय परियोजना 'भाखड़ा-नांगल बांध' (गोविंद सागर जलाशय) निर्मित है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 18–20;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) के प्रतिवेदनों (ऑडिट रिपोर्ट) को राष्ट्रपति द्वारा संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष तथा राज्यपाल द्वारा राज्य विधानमंडल के समक्ष रखवाए जाने का प्रावधान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 151 (Article 151)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-V में संघ की कार्यपालिका एवं लेखापरीक्षा तंत्र के अंतर्गत 'अनुच्छेद 151' लोक वित्त की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण अनुच्छेद है। इसके अनुसार: (1) संघ के लेखाओं से संबंधित भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (CAG) के प्रतिवेदनों को राष्ट्रपति को प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनको संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएंगे; (2) किसी राज्य के लेखाओं से संबंधित कैग के प्रतिवेदनों को उस राज्य के राज्यपाल को प्रस्तुत किया जाएगा, जो उनको राज्य के विधानमंडल के समक्ष रखवाएंगे। इसके उपरांत संसद की 'लोक लेखा समिति' (PAC) इन रिपोर्टों की गहन जांच करती है।

संदर्भ: Constitution of India, Part V, Article 151; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: [illegible]), Ch 5 "विधायिका", p. 112–115;

प्र.8. मानव मस्तिष्क का वह कौन-सा पिछला भाग (पश्चमस्तिष्क / Hindbrain) है, जो ऐच्छिक पेशीय गतियों की परिशुद्धता, चलने-फिरने के संतुलन (Posture and Balance) और मांसपेशियों के समन्वय को नियंत्रित करता है? (विज्ञान)

उत्तर: अनुमस्तिष्क (सेरिबेलम / Cerebellum)

व्याख्या: मानव मस्तिष्क तीन मुख्य भागों में विभाजित होता है: अग्रमस्तिष्क (Forebrain), मध्यमस्तिष्क (Midbrain) और पश्चमस्तिष्क (Hindbrain)। पश्चमस्तिष्क के अंतर्गत 'अनुमस्तिष्क' (Cerebellum) प्रमस्तिष्क के ठीक नीचे पिछले भाग में स्थित होता है। इसके प्रमुख जैविक कार्य निम्नलिखित हैं: (1) यह शरीर की संस्थिति (Posture) और संतुलन (Balance) को बनाए रखता है; (2) यह ऐच्छिक क्रियाओं (जैसे सीधी रेखा में चलना, साइकिल चलाना, पेंसिल से लिखना या किसी गिरी हुई वस्तु को उठाना) में परिशुद्धता और मांसपेशियों के बीच तालमेल स्थापित करता है। अत्यधिक अल्कोहल के सेवन से सबसे पहले अनुमस्तिष्क ही प्रभावित होता है, जिससे व्यक्ति का संतुलन बिगड़ जाता है और वह लड़खड़ाने लगता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 7 "नियंत्रण एवं समन्वय" (मानव मस्तिष्क), p. 130–132;

प्र.9. केरल राज्य की वह कौन-सी विश्वप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य-नाटिका शैली है, जिसमें कलाकार रामायण और महाभारत के पात्रों के अनुरूप चमकीले हरे (पच्चा), लाल व काले चेहरे का श्रृंगार और विशाल मुकुट धारण कर नेत्रों व चेहरे की मुद्राओं से अभिनय करते हैं? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कथकली (Kathakali - केरल)

व्याख्या: 'कथकली' (शाब्दिक अर्थ: कथा का नाटक) केरल की एक अत्यंत भव्य, नाटकीय और प्राचीन शास्त्रीय नृत्य-नाटिका है, जिसका विकास 17वीं शताब्दी में कोट्टाराक्कारा तंपुरान की 'रामनाट्टम' परंपरा से हुआ था। इस नृत्य में पुरुष कलाकार रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं का मंचन बिना स्वयं बोले (केवल नेत्रों, भौंहों, हाथों की 24 मुद्राओं और पार्श्व में गाए जाने वाले मणिप्रवालम भाषा के संगीत के माध्यम से) करते हैं। इसके मुखौटा-सदृश श्रृंगार में रंगों का विशेष प्रतीकात्मक अर्थ होता है: 'हरा रंग' (पच्चा) सात्विक, दिव्य व वीर पात्रों (जैसे राम, कृष्ण, अर्जुन) को, 'काला व लाल रंग' तामसिक व दुष्ट राक्षसों को, तथा 'पीला रंग' स्त्रियों व ऋषियों को दर्शाता है।

संदर्भ: Sangeet Natak Akademi Official Dossier; CCRT (Centre for Cultural Resources and Training) India;

प्र.10. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिहार के शाहाबाद (जगदीशपुर) के किस 80-वर्षीय वयोवृद्ध जमींदार और अजेय रणनीतिकार ने दानापुर के विद्रोही सैनिकों का नेतृत्व कर आरा पर कब्जा किया तथा ब्रिटिश सेनाओं को कई युद्धों में धूल चटाई? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बाबू वीर कुंवर सिंह (जगदीशपुर)

व्याख्या: बाबू वीर कुंवर सिंह (1777–1858) बिहार के भोजपुर (तत्कालीन शाहाबाद) जिले के जगदीशपुर के उज्जैनिया राजपूत शासक और 1857 के स्वाधीनता संग्राम के महानतम महानायकों में से एक थे। 80 वर्ष की वृद्धावस्था और अस्वस्थता के बावजूद उन्होंने जुलाई 1857 में दानापुर से विद्रोह कर आए सैनिकों का नेतृत्व स्वीकार किया। उन्होंने आरा पर कब्जा कर कैप्टन डनबर की ब्रिटिश सेना को पराजित किया, रीवा, बांदा, कानपुर और आजमगढ़ तक ब्रिटिश सेनाओं से लोहा लिया। 23 अप्रैल 1858 को जब वे गंगा नदी पार कर जगदीशपुर लौट रहे थे, तो ब्रिटिश सेनापति डगलस की गोली उनके दाहिने हाथ में लगी; जहर फैलने से रोकने के लिए उन्होंने अपनी तलवार से स्वयं अपना हाथ काटकर गंगा को अर्पित कर दिया। अगले ही दिन 23-24 अप्रैल 1858 को उन्होंने कैप्टन ली ग्रैंड की सेना को जगदीशपुर में बुरी तरह पराजित कर विजय पताका फहराई और 26 अप्रैल 1858 को वीरगति प्राप्त की।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W4 — शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार कड़ाके की शीतलहर के समय विद्यालयों के संचालन समय और बच्चों के लिए 'आहार एवं पेयजल सुरक्षा' से जुड़े कौन-से प्रमुख बचाव उपाय अपनाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: प्रातःकालीन पाली के समय में परिवर्तन/अवकाश, गर्म ताजा मध्याह्न भोजन, गुनगुना पेयजल तथा बच्चों को धूप निकलने पर बाहर बैठाना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026' (नवंबर चतुर्थ शनिवार: शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार अत्यधिक ठंड और कोहरे के दौरान विद्यालय स्तर पर बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु निम्नलिखित महत्वपूर्ण उपाय किए जाने चाहिए:

1. विद्यालय समय और कक्षा व्यवस्था: शीतलहर की चेतावनी जारी होने पर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार विद्यालयों के प्रातःकालीन संचालन समय में परिवर्तन या अवकाश का पालन सुनिश्चित किया जाए; सामान्य दिनों में यदि कक्षाओं के भीतर ठंड अधिक हो और बाहर धूप निकली हो, तो बच्चों को खुले मैदान में धूप में बैठाकर पठन-पाठन कराया जाए।
2. आहार एवं पेयजल सुरक्षा: ठंड में बच्चों को ठंडा या बासी भोजन व ठंडा पानी कदापि न दिया जाए; विद्यालय में मध्याह्न भोजन (MDM) बिल्कुल ताजा और गर्म परोसा जाए तथा पीने के लिए गुनगुने पानी की व्यवस्था की जाए; घरों में भी बच्चों को अदरक की चाय, काढ़ा या हल्दी वाला गर्म दूध पीने के लिए प्रेरित किया जाए।
3. पोशाक व सुरक्षा जागरूकता: बच्चे विद्यालय आते समय पूरे शरीर को ढकने वाले गर्म ऊनी कपड़े, टोपी, मफलर और जूते-मोजे पहनकर आएं; यदि रास्ते में कोहरे या ओस से कपड़े भीग जाएं, तो उन्हें तुरंत बदलना आवश्यक है क्योंकि गीले कपड़े शरीर का तापमान तेजी से गिराते हैं। संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026 — नवंबर चतुर्थ शनिवार ("शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी");

प्र.12. यदि किसी संख्या के 60% में से 60 घटाने पर परिणाम 60 ही प्राप्त होता है, तो बताइए वह मूल संख्या क्या है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 200

व्याख्या: यह 'प्रतिशत' (Percentage) और एक-चर वाले रैखिक समीकरण (Linear Equation in One Variable) पर आधारित एक अत्यंत रोचक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का मानक अंकगणितीय प्रश्न है। माना कि वह मूल संख्या = x है। प्रश्नानुसार समीकरण बनाने पर: (x का 60%) - 60 = 60 [x \times (60 / 100)] - 60 = 60 पक्षांतरण करने पर (-60 को दाईं ओर ले जाने पर +60 हो जाएगा): x \times (60 / 100) = 60 + 60 x \times (3 / 5) = 120 पुनः पक्षांतरण करने पर: x = 120 \times (5 / 3) 120 को 3 से विभाजित करने पर: 120 / 3 = 40 x = 40 \times 5 = 200। (जाँच: 200 का 60% = 200 \times (60 / 100) = 120; अब 120 में से 60 घटाने पर: 120 - 60 = 60)। अतः वह अभीष्ट मूल संख्या ठीक 200 है। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 4 "सरल समीकरण" (Simple Equations) एवं Ch 8 "राशियों की तुलना", p. 78–85;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Adulation (ऐड्युलेशन) = Flattery (फ्लैटरी) = अत्यधिक प्रशंसा / चापलूसी
Antonym – Criticism (क्रिटिसिज़म) = आलोचना / निंदा
Exhort (इग्ज़ॉर्ट) = Encourage (इनकरेज) = प्रोत्साहित करना / जोर देकर सलाह देना
Antonym – Dissuade (डिस्वेड) = हतोत्साहित करना / रोकना
Irascible (इरैसिबल) = Irritable (इरिटेबल) = चिड़चिड़ा / जल्दी क्रोधित होने वाला
Antonym – Even-tempered (ईवन-टेम्पर्ड) = शांत स्वभाव वाला / धैर्यशील
Ostentatious (ऑस्टेन्टेशस) = Showy (शोई) = दिखावटी / आडंबरपूर्ण
Antonym – Modest (मॉडेस्ट) = सादा / विनम्र
Pertinacious (पर्टिनेशस) = Persistent (पर्सिस्टेंट) = दृढ़ निश्चयी / हठपूर्वक लगे रहने वाला
Antonym – Yielding (यील्डिंग) = आसानी से झुकने वाला / समर्पणशील



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. India Celebrates Constitution Day; Marks 77 Years Since Constitution's Adoption
हिन्दी अनुवाद: भारत संविधान दिवस मना रहा है; संविधान के अंगीकरण को 77 वर्ष पूरे।
26 नवम्बर 2026 को भारत संविधान दिवस (संविधान दिवस/राष्ट्रीय विधि दिवस) मना रहा है। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अपनाया था; यह 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। देशभर में संसद, सुप्रीम कोर्ट, स्कूलों और नागरिक संस्थाओं में संविधान-सचेतनता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

2. Nation Remembers 26/11 Mumbai Terror Attack Martyrs
हिन्दी अनुवाद: देश 26/11 मुंबई आतंकी हमले के शहीदों को याद कर रहा है।
आज 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की 18वीं बरसी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश के नेताओं ने पीड़ितों और सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी; देश ने आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता की प्रतिबद्धता दोहराई।

3. Cabinet Approves ₹4,288-Crore Second Container Terminal at Kamarajar Port
हिन्दी अनुवाद: कैबिनेट ने कमराज पोर्ट में ₹4,288 करोड़ के दूसरे कंटेनर टर्मिनल को मंजूरी दी।
केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के कमराज पोर्ट में PPP मॉडल पर ₹4,288.26 करोड़ की लागत से दूसरा कंटेनर टर्मिनल बनाने को मंजूरी दी। दो चरणों में विकसित होने वाला यह टर्मिनल 20 लाख TEU की वार्षिक क्षमता देगा और भारत के समुद्री व्यापार को बढ़ाएगा।

4. Cabinet Clears ₹2,014-Crore Greenfield Airport at Silchar, Assam
हिन्दी अनुवाद: कैबिनेट ने असम के सिलचर में ₹2,014 करोड़ के ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को मंजूरी दी।
केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सिलचर के डोलू में ₹2,014 करोड़ की लागत से ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा बनाने को मंजूरी दी। यह परियोजना पूर्वोत्तर भारत की हवाई कनेक्टिविटी, पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगी।

5. ₹11,000-Crore Scheme Approved for Construction Equipment Manufacturing
हिन्दी अनुवाद: निर्माण उपकरण निर्माण के लिए ₹11,000 करोड़ की योजना मंजूर।
केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भारत के निर्माण एवं अवसंरचना उपकरण निर्माण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ₹11,000 करोड़ की योजना स्वीकृत की। इससे सड़क, बंदरगाह और आवास जैसे क्षेत्रों में तेजी आने के साथ निर्माण उद्योग का आकार FY2029-30 तक लगभग ₹2.28 लाख करोड़ होने का अनुमान है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Houthis Attack Saudi Arabia's Ras Tanura Oil Refinery
हिन्दी अनुवाद: हूतियों ने सऊदी अरब के रास तनूरा तेल शोधन संयंत्र पर हमला किया।
यमन के ईरान-समर्थित हूतियों ने सऊदी अरब के रास तनूरा तेल शोधन संयंत्र पर हमले का दावा किया, जिससे आग लगी। रास तनूरा विश्व के सबसे बड़े रिफाइनिंग संकुलों और तेल निर्यात टर्मिनलों में से एक है; इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में चिंता बढ़ी है।

2. Two Oil Tankers Hit Naval Mines in Strait of Hormuz
हिन्दी अनुवाद: हॉर्मुज जलडमरूमध्य में दो तेल टैंकर समुद्री माइनों से टकराए।
ईरान की IRGC नौसेना ने कहा कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय दो तेल टैंकर समुद्री माइनों से टकराकर विस्फोटित हुए और उनके इंजन कक्षों में आग लगी। हॉर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है।

3. Israel Strikes Hamas Official in Gaza; Ceasefire Under Strain
हिन्दी अनुवाद: इजराइल ने गाजा में हमास अधिकारी पर हमला किया; संघर्ष विराम दबाव में।
इजराइली सेना ने गाजा में हमास के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख मोहम्मद अबुलौफ को मार गिराया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मेनिनजाइटिस फैलने की चेतावनी दी है, जबकि अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थायी संघर्ष विराम और अबाधित मानवीय सहायता की माँग कर रहे हैं।

4. Ukraine Strikes Russian Oil Refineries; Putin Vows Retaliation
हिन्दी अनुवाद: यूक्रेन ने रूसी तेल शोधन संयंत्रों पर हमला किया; पुतिन ने जवाबी कार्रवाई की कसम खाई।
यूक्रेनी बलों ने 25 नवम्बर की रात दो रूसी तेल शोधन संयंत्रों पर बड़ा हमला किया, जिससे साइटों में आग लगी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों के जवाब में प्रतिशोध की चेतावनी दी।

5. Pakistan's First Astronaut Travels to China's Tiangong Space Station
हिन्दी अनुवाद: पाकिस्तान के पहले अंतरिक्ष यात्री चीन के तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर निकले।
पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री मुहम्मद जीशान अली चीन के शेनज़ौ-24 अंतरिक्ष यान से तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पाकिस्तान के पहले अंतरिक्ष यात्री बने। यह पाकिस्तान-चीन अंतरिक्ष सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम है।

BIHAR NEWS

1. Three Major Trains Passing Through Bihar Cancelled Until March 2027
हिन्दी अनुवाद: बिहार से गुजरने वाली तीन प्रमुख ट्रेनें मार्च 2027 तक रद्द।
बिहार से गुजरने वाली तीन मुख्य ट्रेनों का परिचालन मार्च 2027 तक रद्द कर दिया गया है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार यह निर्णय परिचालन संबंधी कारणों से लिया गया है।

2. Bihar Reports Five More Deaths in Dry State; Plan to Ease Penal Provisions
हिन्दी अनुवाद: सूखे राज्य बिहार में पाँच और मौतें; दंडात्मक प्रावधानों में छूट की योजना।
बिहार में शराबबंदी से जुड़े हालातों में पाँच और मौतों की खबर सामने आई है। राज्य सरकार दंडात्मक प्रावधानों में छूट की योजना पर विचार कर रही है।

3. Bihar Stuns Delhi in Syed Mushtaq Ali Trophy
हिन्दी अनुवाद: सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार ने दिल्ली को हराया।
सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के Elite Group मुकाबले में बिहार ने दिल्ली को 2 विकेट से हराया। दिल्ली के यश धुल की 59 गेंदों पर 125 रन की पारी के बावजूद बिहार ने रोमांचक जीत दर्ज की।

SPORTS NEWS

1. Vaibhav Sooryavanshi Smashes World-Record List A Double Century
हिन्दी अनुवाद: वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट-ए क्रिकेट में विश्व रिकॉर्ड सबसे तेज़ दोहरा शतक बनाया।
15 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में UAE के खिलाफ 53 गेंदों पर अजेय 204 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 28 छक्के शामिल थे; स्ट्राइक रेट 384.90 रहा।

2. Sooryavanshi Becomes Youngest Captain in Men's T20 History
हिन्दी अनुवाद: वैभव सूर्यवंशी पुरुष T20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र के कप्तान बने।
वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार की कप्तानी करते हुए 15 वर्ष 232 दिन की उम्र में पुरुष T20 क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र के कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया।

3. NADA Issues Notices to Yashasvi Jaiswal and Shafali Verma
हिन्दी अनुवाद: NADA ने यशस्वी जायसवाल और शफाली वर्मा को डोप टेस्ट छोड़ने पर नोटिस भेजा।
राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी एजेंसी (NADA) ने अनिवार्य डोप टेस्ट में भाग न लेने के कारण भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और शफाली वर्मा को नोटिस जारी किया। WADA नियमों के तहत 12 महीने में तीन टेस्ट छोड़ने पर प्रतिबंध की संभावना हो सकती है।

4. India to Host 2029 Champions Trophy; Co-Host 2031 ODI World Cup
हिन्दी अनुवाद: भारत 2029 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा; 2031 ODI विश्व कप का सह-आयोजन करेगा।
भारत 9-28 अक्टूबर 2029 तक ICC चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जबकि 2031 ODI विश्व कप का सह-आयोजन बांग्लादेश के साथ 9 अक्टूबर से 23 नवम्बर तक करेगा।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

📌 Current Affair of the Day
विषय: संविधान दिवस (Constitution Day)
Q. संविधान दिवस कब और क्यों मनाया जाता है?
उत्तर:
संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। संविधान 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ, जिसे गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।
पहला संविधान दिवस: 26 नवम्बर 2015
संविधान निर्माण अवधि: 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन
प्रमुख वास्तुकार: डॉ. बी.आर. अंबेडकर, संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष
संविधान की संरचना: 25 भाग, 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ और 5 उपबंध
महत्व: नागरिक अधिकार, कर्तव्य, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना।

अनुभाग-6

प्रेरक नाटक

हमारा संविधान, हमारी पहचान

(26 नवंबर: संविधान दिवस विशेष)

(पात्र: शिक्षक, रोहन, सीमा, अमन और अन्य विद्यार्थी।)

दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। संविधान दिवस का कार्यक्रम चल रहा है। बच्चे संविधान की पुस्तक लेकर खड़े हैं।

शिक्षक: बच्चों! आज हम संविधान दिवस मना रहे हैं। क्या तुम जानते हो कि हमारा संविधान हमारे जीवन में क्यों महत्वपूर्ण है?

रोहन: जी सर! संविधान हमें अधिकार देता है, ताकि हम सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकें।

सीमा: यह सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। किसी के साथ जाति, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

अमन: सर! क्या संविधान केवल अधिकारों की बात करता है या हमारी कुछ जिम्मेदारियाँ भी हैं?

शिक्षक: बहुत अच्छा सवाल! संविधान हमें मौलिक कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। देश की एकता बनाए रखना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और सभी का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है।

रोहन: लेकिन सर, यदि कोई नियम तोड़े या हमारे साथ अन्याय करे तो हमें क्या करना चाहिए?

शिक्षक: हमें कानून का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और उचित तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। अधिकारों के साथ जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं।

सीमा: हमें यह भी जानना चाहिए कि संविधान किसी एक व्यक्ति की रचना नहीं है। संविधान सभा के अनेक सदस्यों ने मिलकर इसे तैयार किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमन: 26 नवम्बर 1949 को संविधान अंगीकृत हुआ और 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

शिक्षक: बिल्कुल! अब हम सब मिलकर संकल्प लें।

सभी विद्यार्थी: हम संविधान के मूल्यों का सम्मान करेंगे, अपने अधिकार जानेंगे, कर्तव्यों का पालन करेंगे और एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

शिक्षक: यही संविधान दिवस मनाने का सच्चा उद्देश्य है।

सभी: हमारा संविधान, हमारा गौरव! जय हिन्द!



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-42

सोचो... समझो... हल करो...

6					9	5		
	9						7	6
8			4					
		8	6				4	
				9	1		5	
2	5					8		
		7						1
4	3		2					
					6			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"आज का कार्य कल पर मत टालो।"

— लोकोक्ति

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

6	7	4	1	3	9	5	2	8
3	9	1	8	5	2	4	7	6
8	2	6	4	6	7	1	9	3
9	1	8	6	2	6	3	4	7
7	4	3	8	9	1	6	6	2
2	6	6	3	7	4	6	1	9
6	6	7	9	4	3	2	6	1
4	3	9	2	1	6	7	6	6
1	6	2	7	6	6	9	3	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12, श्लोक 18–19
समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः।
शीतोष्णसुखदुःखेषु समः सङ्गविवर्जितः॥
तुल्यनिन्दास्तुतिर्मौनी सन्तुष्टो येन केनचित्।
अनिकेतः स्थिरमतिर्भक्तिमान्मे प्रियो नरः॥

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



सरल हिन्दी अर्थ:
जो मनुष्य शत्रु और मित्र में, तथा मान और अपमान में समान भाव रखता है; जो सर्दी-गर्मी और सुख-दुःख आदि द्वंद्वों में सम (संतुलित) और आसक्ति से रहित है; जो निंदा और स्तुति (प्रशंसा) को समान समझता है, जो मननशील और वाणी पर संयम रखने वाला (मौनी) है, जो किसी भी परिस्थिति या प्राप्त साधन में संतुष्ट रहता है, जिसका किसी एक स्थान या व्यवस्था से मोह (अनिकेतः) नहीं है, और जिसकी बुद्धि अडिग व स्थिर है—ऐसा भक्तियुक्त मनुष्य मुझे अत्यंत प्रिय है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ अध्याय 12 के समापन की ओर बढ़ते हुए आंतरिक स्वायत्तता (Inner Autonomy) और अटूट मानसिक स्थिरता का चित्र खींचते हैं। सामान्य व्यक्ति का रिमोट कंट्रोल दूसरों के हाथ में होता है—कोई तारीफ कर दे तो खुश, कोई बुराई कर दे तो दुखी। यह श्लोक उस रिमोट को वापस अपने हाथ में लेने की कला सिखाता है:

- मानापमानयोः और तुल्यनिन्दास्तुतिः (बाहरी राय से मुक्ति): संसार में जब आप कोई भी रचनात्मक या सार्थक कार्य करेंगे, तो प्रशंसा (स्तुति) और आलोचना (निंदा) दोनों मिलेंगी। जो व्यक्ति इन दोनों को धूप और छाँव की तरह सहज स्वीकार करता है, वह न तो प्रशंसा के नशे में लापरवाह होता है और न ही निंदा के डर से अपना कर्तव्य छोड़ता है।
- मौनी (विवेकपूर्ण वाणी और ऊर्जा संरक्षण): यहाँ 'मौनी' का अर्थ गूंगा बनकर बैठना नहीं, बल्कि व्यर्थ के वाद-विवाद, गपशप और प्रतिक्रियात्मक बोलने से बचना है। कम बोलना, तोल-मोलकर बोलना और भीतर से मननशील रहना मानसिक ऊर्जा को कई गुना बढ़ा देता है।
- सन्तुष्टो येन केनचित् (संसाधन-निरपेक्ष प्रसन्नता): परिवेश और साधन हमेशा हमारे अनुकूल नहीं होते। जो व्यक्ति उपलब्ध सीमित साधनों में भी अपनी रचनात्मकता और संतोष बनाए रखता है, उसे कोई भी अभाव रोक नहीं सकता।
- अनिकेतः और स्थिरमतिः (लचीलापन और वैचारिक दृढ़ता): 'अनिकेत' का व्यावहारिक अर्थ है—किसी पद, स्थान या सुविधा-क्षेत्र (Comfort Zone) से चिपककर न बैठना। परिस्थितियाँ या स्थान बदलने पर भी जिसकी बुद्धि (स्थिरमतिः) विचलित नहीं होती, वही सच्चा कर्मयोगी है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

शौर्य, न्याय और बलिदान के प्रतीक: 'सरबंस दानी' श्री गुरु गोबिंद सिंह जी

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे महान योद्धा, आध्यात्मिक गुरु और कवि के बारे में सुना है, जिन्होंने देश, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने पूरे परिवार—पूज्य पिता, चार प्यारे बेटों और माता का बलिदान हँसते-हँसते दे दिया? इसीलिए उन्हें इतिहास में 'सरबंस दानी' (अपना सब कुछ दान करने वाले) कहा जाता है। वे थे सिखों के दसवें और अंतिम गुरु, अद्भुत वीर-योद्धा श्री गुरु गोबिंद सिंह जी! जिन्होंने कमजोरों को शेर की तरह लड़ना सिखाया और अत्याचारियों के खिलाफ अन्यायविहीन समाज की स्थापना की।

गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को बिहार की पावन भूमि पटना (पटना साहिब) में हुआ था। उनके पिता सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी थे, जो बहुत दयालु और धर्म रक्षक थे। उनकी माता गुजरी जी अत्यंत स्नेहमयी, साहसी और धर्मपरायण महिला थीं। माता-पिता ने बालक का नाम 'गोबिंद राय' रखा था। पटना में उनके जन्म स्थान को आज 'तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब' के नाम से जाना जाता है।

नन्हे गोबिंद बचपन से ही गज़ब के निडर, कुशाग्र बुद्धि और नेतृत्व क्षमता के धनी थे। वे बचपन में अपने साथियों के साथ नकली युद्ध का खेल खेलते, तीर-कमान चलाना सीखते और सेनाओं की तरह परेड करते थे। जब वे मात्र नौ वर्ष के थे, तब कश्मीरी पंडितों ने उनके पिता गुरु तेग बहादुर जी से मुगलों के अत्याचार से बचाने की गुहार लगाई। नन्हे गोबिंद ने निडर होकर अपने पिता से कहा—"पिताजी, धर्म की रक्षा के लिए आपसे बड़ा महापुरुष और कौन हो सकता है? आपको उनकी मदद ज़रूर करनी चाहिए।" बालक के इन वचनों को सुनकर गुरु तेग बहादुर जी ने दिल्ली जाकर हंसते-हँसते अपना शीश कटवाकर बलिदान दे दिया। इस भारी आघात के बाद मात्र नौ वर्ष की कोमल आयु में गोबिंद राय सिखों के दसवें गुरु बने।

गुरु जी केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि चौंसठ कलाओं के ज्ञाता और अद्भुत कवि भी थे। उन्होंने पंजाबी, संस्कृत, फारसी और ब्रजभाषा में कई वीर रस से भरपूर रचनाएँ लिखीं। उन्होंने कहा था कि जब शांति के सारे प्रयास विफल हो जाएँ, तब धर्म की रक्षा के लिए तलवार उठाना पूरी तरह से सही है।

वर्ष 1699 में बैसाखी के पावन पर्व पर आनंदपुर साहिब में गुरु जी ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। उन्होंने समाज की कुरीतियों, जाति-पाँति के भेदभाव को समाप्त करने के लिए 'खालसा पंथ' की स्थापना की। उन्होंने अपने शिष्यों को 'अमृत' छकाकर उन्हें 'सिंह' (शेर) और बहनों को 'कौर' (राजकुमारी) बनाया। उन्होंने खालसा को हर समय अन्याय के विरुद्ध लड़ने के लिए 'पंच ककार' (केश, कंगा, कड़ा, कछैरा और कृपाण) धारण करने का आदेश दिया। वे स्वयं भी गोबिंद राय से 'गुरु गोबिंद सिंह' बन गए। उन्होंने हुंकार भरी —"चिड़ियन ते मैं बाज़ तुड़ाऊं, गीदरन को मैं शेर बनाऊं। सवा लाख से एक लड़ाऊं, तबे गोबिंद सिंह नाम कहाऊं॥"

गुरु जी ने अपने चार साहिबजादों (अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह) को अपनी आँखों के सामने देश और धर्म के लिए कुर्बान होते देखा, लेकिन कभी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने गुरु परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों का शाश्वत गुरु घोषित किया। 7 अक्टूबर 1708 को नांदेड़ (महाराष्ट्र) में वे ज्योति-जोत समा गए। प्यारे बच्चों, गुरु गोबिंद सिंह जी का पावन जीवन हमें सिखाता है कि कभी अन्याय के सामने मत झुको, हमेशा कमज़ोरों की रक्षा करो और हर परिस्थिति में देश व धर्म के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहो।



.....✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

आपकी शांति और कार्यक्षमता इस बात पर निर्भर नहीं होनी चाहिए कि बाहर मौसम कैसा है, लोग क्या कह रहे हैं या सुविधाएँ कितनी हैं। वाणी में संयम, उपलब्ध साधनों में संतोष, और निंदा-प्रशंसा में समभाव ही आपको भीतर से अजेय बनाता है।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org